विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 3 से 10 जनवरी 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 28 ❖ पृष्ठ 9 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

ज़ीवन के कड़वे सच

ज़ीवन में चरित्रहीन व्यक्ति, पत्नी माता-पिता तथा बच्चों का सम्मान ता आत्मीयता नहीं रखने वाले व्यक्ति से सदैव दूरी बनाए रखनी चाहिए. जो व्यक्ति जीवन में अपने सगे रिश्तों को महत्व नहीं दे सकता है, वह अपना स्वार्थ के लिए कभी भी कितना भी गिर सकता है. बाबूजी कहते थे कि ऐसे लोग जीवन में किसी का नहीं हो सकते हैं. उनके लिए केवल और केवल अपना स्वार्थ ही सर्वो परि होता है. ऐसे लोगों से सदैव सतर्क रहना चाहिए. वाह कभी किसी के नहीं होते हैं. इतना पक्का रहता है.

श्रीरामय हो रहा है हिन्दुस्तान

आदर्श राजा के उदाहरण हैं प्रभु श्रीराम, रिश्तों के चरम हैं श्रीराम

संपादक की कलम से

कहते हैं धर्म और आचरण इन्सान को इन्सान ही नहीं बनाते हैं बल्कि आदर्श इन्सान बनाते हैं. प्रभु श्रीराम को मर्यादा पुरूषोत्तम कहा जाता है. आज देश में उनके मंदिर को लेकर जिस तरह से भक्तिभाव, आदर्श आचरण का विषय उठ रहा है, राजा कैसा होना चाहिए, इसके चरम श्रीराम हैं. प्रभु श्रीराम केवल भगवान नहीं बल्कि इन्सानियत को महिमामंडित करने वाले, संयुक्त परिवार को प्रोत्साहित करने वाले तथा जीवन में सदैव नेकी करने वाले आदर्श व्यक्तित्व हैं, आदर्श विचार हैं. श्रीरामचरित मानस जीवन दर्शन है. आज इसमें ऐसा कोई विषय नहीं है, जिसे गोस्वामी तुलसीदासजी ने छुआ नहीं है. रामराज्य का महत्व क्यों है, क्यों कर राजा जनता का पिता होता है, राजा को जनता को क्यों कर पुत्र मानना चाहिए, जिस तरह पिता अपने पुत्र की तकलीफ नहीं दे ख सकता है, उसी तरह राजा भी ऐसा होना चाहिए, जिसे पुत्र की तकलीफ कभी देखनी की नौबत नहीं आए. अयोध्या केवल एक धार्मिक विषय नहीं है,यह विषय है भारतीय पवित्र धरती पर पैदा हुए अवतारों का और उनकी सीख हैं. आदर्श राजा, आदर्श पुत्र, आदर्श पति, आदर्श भाई के साथ मानवता के सर्वो च्च थे. आज यह विश्व में भारत के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्य योगी नाथ के प्रयासों से यह स्वर्णिम पल हम सभी भारतीयों के नसीब में आया है.

शेष पेज 2 पर

प्रेरणादायी व्यक्तित्व

कहते हैं कि जीवन में कुछ लोग ही सदैव अपना प्रभाव छोड़ते हैं. उच्च कोटि के विद्वान, सभी विषयों पर पकड़ रखने वाले राष्ट्रीय वक्ता तथा मोटिवेशनल स्पीकर के साथ ही टीम के आदर्श लीडर प्राचार्य सुधीर महाजन ऐसे ही प्रेरणादायी व्यक्तित्व हैं. उनका 4 जनवरी को जन्मदिन है, आदर्श आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

सर का जीवन परिचय पेज 5 पर

विशेष संपादकीय

क़ानून तो सुरक्षा के लिए होते ही हैं

कोई भी कानून लोगों की भलाई के लिए ही सरकार द्वारा बनाया जाता है. लेकिन पिछले तीन दिनों से केन्द्र सरकार द्वारा मोटर वाहन अधिनियम में किए गए बदलाव और इसे सख्त करने को लेकर देशभर के वाहन चालकों में जबर्दस्त रोष है. हिट एन्ड रन कानून में बदलाव करते हुए केन्द्र सरकार ने अब वाहन से दुर्घटना होने पर चालक द्वारा घायल को अस्पताल नहीं पहुंचाने पर सख्त कदम अपनाया है. जिंदगी बेशकीमती रहती है, इसके मद्देनजर सरकार का यह कानून गलत नहीं कहा जा सकता है. लेकिन इसके साथ ही प्रैक्टिकली क्या स्थितियां पैदा होती हैं, इसका भी ख्याल रखा जाना जरूरी है. किसी भी चालक द्वारा अगर जानबूझकर दुर्घटना की जाती है, इरादतन हत्या के प्रयास के तहत दुर्घटना की जाती है तो दस साल की सजा और 7 लाख का जुर्माना समर्थनीय हो सकता है. लेकिन कई बार अगर बड़े वाहन अथवा वाहन चालक की गलती नहीं होती है, दूसरे पक्ष की गलती से दुर्घटना होती है और व्यक्ति घायल होता है, ऐसे समय अगर चालक के साथ इतनी सख्ती वाला रवैया अख्तियार किया जाए तो निश्चित तौर पर उसके साथ अन्याय कहा जाएगा. दुर्घटना के बाद जिस तरह से लोग वाहन जलाने और चालक के साथ मारपीट करने के लिए भागते हैं, ऐसे में कौन ऐसा चालक होगा, जो अपनी जान हथेली पर रखते हुए घायल को बचाने का प्रयास करेगा. हर व्यक्ति को अपनी जान प्यारी होती है. ऐसे में वह ड्राइवर घायल को अस्पताल ले जाने के चक्कर में स्वयं की कब्र स्वयं तो खोदने वाली मानसिकता में नहीं रहेगा.

लार्ड मैकाले व्दारा बनाया गया 160 साल पुराना इंडियन पीनल कोड इसलिए बदला गया कि उसमें प्रजा के साथ न्याय करने की जगह राज करने की भावना थी. लेकिन इस नई भारतीय न्याय संहिता की धारा 104 (2) ने देश को अजीब संकट में डाल दिया है.इसको लेकर देशभर में व्यापक नाराजी व्याप्त हो गयी है. इसके खिलाफ देशभर के ड्राइवरों ने हड़ताल की घोषणा कर दी है. इससे आपूर्ति बाधित होकर महंगाई में जहां बढ़ोत्तरी हुई है, वहीं अमरावती सहित समूचे देश में हजारों पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ वाहन चालकों की लग गई. अब अगर किसी दोपहिया कार ट्रक बस या किसी भी वाहन से टकरा कर या दुर्घटना में किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाए और यह सिध्द हो जाए कि वाहन चालक के उतावलेपन या उपेक्षापूर्ण ड्राइविंग के कारण यह दुर्घटना हुई है तो उसे सात साल की सजा होगी और अगर वह उस जगह से भाग गया घायल व्यक्ति को अस्पताल नहीं ले गया या मजिस्ट्रेट या पुलिस ऑफिस को सूचित नहीं किया तो यही सजा दस साल तक की हो सकती है.लाखों ट्रक -बस ड्राइवरों ने इसके खिलाफ हड़ताल कर दी है. इस मामले में चालकों के साथ ही सरकार को समझदारी पूर्ण रवैया अख्तियार करना जरूरी है. यह हड़ताल लोगों के लिए भारी साबित हो रही है. सब्जी के साथ महंगाई ने लोगों को त्रस्त कर दिया है. दोनों ही पक्षों को समस्या का निराकरण करना चाहिए.

मर्यादा पुरूषोत्तम हों सभी के आदर्श

विदर्भ स्वाभिमान
राय बताएं-9423426199

पेज 1 से जारी- संत-महात्माओं, आचार्यों के विचारों के साथ ही हम अपने संस्कारों पर चलने के बाद भारत में पहले ही विश्व महागुरू बनने की क्षमता थी. जिस तरह से मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के आदर्श व्यक्तित्व को निहारा जाए तो व्यक्ति के मन में निश्चित तौर पर सद्भावना, सद्गुण के भाव पैदा होते हैं. प्रभु श्रीराम के व्यक्तित्व की महानता इससे बड़ी क्या हो सकती है कि रामायण पढ़ते समय भाई का प्रेम क्या होता है, इसका आदर्श भरत के रूप में देखा जा सकता है. आज जब मामूली दौलत को लेकर भाई-भाई का दुश्मन बन गया है, ऐसे में प्रभु श्रीराम का जीवन हर व्यक्ति अगर अपने आप में उतार ले तो धरती वैसे ही स्वर्ग बन जाएगा. अयोध्या एक प्रतीक होगी मानवता, रिश्तों के समर्पण, मानवता के सर्वो च्च, राजा के आदर्श रूप का दर्शन पूरे विश्व को कराने का.

रमणे कणे कणे इति रामः

जो कण-कण में बसे, वही राम है. श्रीराम की सनातन धर्म में अनेकों गाथाएं विद्यमान है. श्रीराम के जीवन की अनुपम कथाएं, महर्षि वाल्मिकी ने बड़े ही सुंदर ढंग से रामायण में प्रस्तुत किया है.इसके अतिरिक्त गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस रच कर जन-जन के ह्रदय तक श्रीराम को पहुंचा दिया.प्रात काल उठि कै रघुनाथा, मातु-पिता गुरू नावहीं माथा, क्या आदर्श पुत्र का बचपन से ही रूप से प्रभु श्रीराम का.प्रभु श्रीराम का जन्म वर्तमान उत्तर प्रदेश के अयोध्या में हुआ था. वो अयोध्या के राजा दशरथ के सबसे बड़े पुत्र थे. राजा दशरथ की तीन रानियां थी.कौशल्या, कैकेयी और सबसे छोटी सुमित्रा. राजा दशरथ को पुत्रों की प्राप्ति बहुत ही जप-तप के बाद हुई थी. उनकी तीन रानियों से चार पुत्र रत्नों की प्राप्ति हुई. सबसे बड़ी रानी कौशल्या से राम, कैकेयी से भरत और सुमित्रा से लक्ष्मण और शत्रुघ्न.बचपन से ही श्रीराम बहुत सह्रदयी और विनयशील थे, और अपने पिता के सबसे करीब थे. या यूं कहे, वो राजा दशरथ की कमजोरी थे. राजा दशरथ एक पल भी उन्हें अपनी नजरों से दूर नहीं करना चाहते थे. सौतेली मां होने के बाद भी वो सबसे ज्यादा कैकेयी को स्नेह और सम्मान देते थे. उनके लिए उनकी तीनों माताएं एक समान थी.ज्येष्ठ होने के कारण वो अपने सभी छोटे भाईयों का बहुत अधिक ध्यान रखते थे. मां कैकेई के सबसे लाड़ले थे, आज मां का सम्मान जहां घट रहा है, वहीं सौतेली मां भी किस तरह सगी से अधिक होती है, इसका आदर्श संदेश ही समूचे विश्व को प्रभु श्रीराम ने दिया. रिश्तों को सर्वोच्च पर पहुंचाने वाले श्रीराम के जितने रूप हैं, सभी अलौकिक हैं, अनुपम हैं और वह मानवता की सीख से भरे हैं. श्रीराम प्रभु के साथ ही आदर्श इन्सान के रूप में जो मापदंड दिए, उसका पालन अगर किया जाए को विश्व में कभी युद्ध नहीं होने का सामर्थ्य केवल श्रीराम में ही है.

बहुआयामी,बहुगुणी व्यक्तित्व हैं

प्राचार्य सुधीर महाजन सर के जन्मदिन पर विशेष

जिस तरह नेकी कभी बेकार नहीं जाती है, उसी तरह हर व्यक्ति का किरदार, उसकी भूमिका सदैव यादगार रहती है. पद नहीं बल्कि पद कागौरव व्यक्ति की सोच, उसके विचार तथा अन्य बातों से बढ़ती है. पोदार इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य जहां कुशल लीडर हैं, वहीं मोटिवेशनल स्पीकर हैं, वहीं आदर्श इन्सान हैं. बहुगुणी व्यक्ति के रूप में रहने वाले सुधीर महाजन को जन्मदिन 4 जनवरी पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

पोदार इंटरनेशनल स्कूल के प्रिंसिपल श्री सुधीर महाजन एक सर्वांगीण बहुआयामी व्यक्तित्व हैं जिनकी उपस्थिति हमेशा खुशी का एहसास कराती है, जो हमेशा अपनी उपस्थिति में खुशी लाते हैं, जो दूसरों के जीवन को सकारात्मकता की चमक से रोशन करते हैं , जो हमेशा युवाओं का मार्गदर्शन करता है और जो बच्चों और युवाओं और बूढ़ों के दिमाग पर हावी रहता है.

'एजुकेटर' पुरस्कार से सम्मानित उच्च शिक्षाविद् सुधीर महाजन का जन्म 4 जनवरी 1977 को मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के शिक्षकों के गांव के नाम से मशहूर बंभड़ा गांव में हुआ था. चूँकि माँ द्रौपदाबाई एक

शिक्षिका थीं और पिता लक्ष्मणजी महाजन एक प्रधानाध्यापक थे, इसलिए हमें बचपन से ही शैक्षणिक गुणवत्ता और नेतृत्व कौशल का उपहार मिला. अपनी उच्च बुद्धि के कारण वह स्कूल और कॉलेज की शिक्षा में हमेशा मेरिट सूची में रहे और व्यवसाय प्रशासन, शिक्षा, समाज सेवा, अर्थशास्त्र, भौतिकी और पत्रकारिता जैसे 6 विषयों में स्वर्ण पदक अर्जित करके अपनी शिक्षा पूरी की. मैंने ग्वालियर के उस कॉलेज से बिजनेस मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री हासिल की, जहां भारत के पूर्व प्रधान मंत्री माननीय थे. अटल बिहारी वाजपेई और स्वयं कवि शिवमंगल सिंह सुमन भी छात्र रहे.

डॉ. आशीष खुळे

उनकी उच्च गुणवत्ता, अथक परिश्रम, कर्तव्यनिष्ठ दृष्टिकोण और शिक्षा के क्षेत्र में विशेष रुचि को देखते हुए, उन्हें 23 वर्ष की आयु में न्यू विजन हायर सेकेंडरी स्कूल बुरहानपुर मध्य प्रदेश में प्रिंसिपल के रूप में चुना गया था. उनके कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र के प्रति असीम निष्ठा, दृढ़ संकल्प एवं समर्पित भावना से अपने कर्तव्यों का पालन कर संस्थान ने आसमान छूते हुए उत्कृष्ट परिणाम दिये तथा संस्थान एवं बुरहानपुर शहर का नाम रोशन किया. उनके इस कार्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें 2001-2002 में तत्कालीन महामहिम राज्यपाल के साथ-साथ मुख्यमंत्री (मध्य प्रदेश) कार्यालय द्वारा सम्मानित किया गया था. इसके बाद अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्था मैक्रो विजन एकेडमी, बुरहानपुर के अध्यक्ष माननीय आनंद प्रकाश चौकसे ने उनकी नेतृत्व क्षमता को देखकर उन्हें प्राचार्य पद पर नियुक्त किया. यहां अपने 11 साल के कार्यकाल के दौरान उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन किए और संस्थान के परीक्षा परिणामों में नए कीर्तिमान स्थापित किए, उनकी इन उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें 2012 में

शेष पेज 4 पर

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189 .अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com

अच्छी,सच्ची सेवा की दुवाएं देती हैं सदैव सुकून

मानवतासेवी डॉ.पंकज घुंडियाल का प्रतिपादन, मानवता की सेवा की ज्योति जलाए रखें, कर्म अच्छा तो सफलता तय

विदर्भ स्वाभिमान,3 जनवरी

अमरावती- जीवन में बिना किसी प्रकार के स्वार्थ की की गई अच्छी और सच्ची सेवा कभी भी बेकार नहीं जाती है. प्रभु ने इन्सान के रूप में सबसे प्यारा जो जीवन दिया है, अपने प्रपंच को संभालते हुए हमें मानवता की संभव उतनी सेवा करने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने के बाद इसका फल प्रभु या प्रकृति किस रूप में दे देंगे, यह कोई नहीं जानता है. इसलिए जितना संभव हो, सदैव अच्छी सोच के साथ ही सच्ची और अच्छी सेवा करने का प्रयास करना चाहिए.कुछ रिश्ते दुनिया में ऐसे होने चाहिए, जो निस्वार्थ हों और उन रिश्तों पर आपको और उस व्यक्ति को भी गर्व होना चाहिए. इस आशय का प्रतिपादन विश्वस्तरीय स्वास्थ्य जांच सुविधाओं से सुसज्जीत घुंडियाल रेडियो डायग्नोसिस केन्द्र के संचालक और नेक कामों के लिए अभी तक दर्जनों पुरस्कारों से सम्मानित डॉ. पंकज घुंडियाल ने किया.

विदर्भ स्वाभिमान द्वारा शुरू की गई सकारात्मक सोच वाला नया वर्ष 2024 का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम सभी को नए साल की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. नए साल में हमें अपनी एक बुराई छोड़ने का संकल्प लेना चाहिए, साथ ही मानवता की सेवा के लिए सदैव समर्पित रहने का प्रयास करना चाहिए.जीवन पानी का बुलबुला है, ऐसे में जितना संभव हो, ऐसे भी कुछ काम करने का योगदान देने का प्रयास करना चाहिए, जो हमें अमर बनाने में भी भूमिका निभाते हैं.

नैतिकता को महत्व

ज़ीवन में सकारात्मक सोच के साथ ही नैतिकता को अत्याधिक महत्व देने वाले तथा इस पर हर काम करने वाले डॉ. घुंडियाल ने कई राष्ट्रीय वैद्यकीय सेमिनारों में शामिल होकर अमरावती का जहां गौरव बढ़ाया है, वहीं मानवता की सेवा के लिए सदैव समर्पित भाव से काम करते हैं. उनके मुताबिक नेकी और माता-पिता के आशिर्वाद के चलते जीवन में उन्हों ने संघर्षों

से जूझते हुए बहुत कुछ प्राप्त किया है. अपनी कामयाबी पर संतुष्ट रहने की बात कहते हुए कहते हैं कि जीवन ने उन्हें सब कुछ दिया है. पत्नी, बच्चों के साथ ही आदर्श परिवार मिला है. इसके साथ ही जो जिम्मेदारी सौं पी गई है, उसे अपने स्तर पर बेहतरीन तरह से निभाने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने के बाद ऐसा कोई क्षेत्र नहीं हो सकता है, जिसमें सफलता नहीं मिले. अच्छाई कभी बेकार नहीं जाती है. सभी से आत्मीयता और मानवता की सेवा करने वाले व्यक्ति के जीवन में मान सम्मान स्वयं मिलता ही है. यारों के दिलदार यार के साथ ही अच्छे कामों को सदैव प्रोत्साहित करने वाले डॉ. पंकज घुंडियाल के मुताबिक अच्छाई में स्वयं ही सभी को जोड़ने की ताकत होती है. हम जब अच्छा करते हैं तो हमारे शरीर के साथ ही मन भी प्रसन्न रहता है. नकारात्मकता का भाव रखने वाले पैसे से आगे बढ़ जाता है लेकिन अपने प्रति लोगों की सोच को अच्छी नहीं बना सकता है. इसलिए सदैव यही सोचना चाहिए कि अगर हम किसी की मदद नहीं कर सकते हैं तो कम से कम किसी को दुःखी करने का प्रयास नहीं करना चाहिए. सकारात्मक सोच के साथ किया गया कोई भी काम कभी विफल नहीं हो सकता है.जीआरडीसी पहला ऐसा केन्द्र है, जहां विश्वस्तरीय जांच की सभी आधुनिक मशीनें हैं लेकिन गरीबों की मदद में भी यह केन्द्र सदैव अग्रणी रहता है. उनके मुताबिक प्राप्त है, पर्याप्त है, इसमें अगर किसी की मदद हो सकती है तो करनी चाहिए. नए साल की सभी को उन्होंने शुभकामनाएं दी.

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे 12 को मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का उद्घाटन

विदर्भ स्वाभिमान, 3 जनवरी

मुंबई- प्रधानमंत्री मोदी 12 जनवरी को मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का उद्घाटन करेंगे. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को इसकी जानकारी दी. इस परियोजना में लगभग 22 किमी लंबा 6-स्तरीय पुल शामिल है जो मुंबई शहर में शिवडी और मुख्य भूमि पर न्हावा को जोड़ता है.इस लिंक में मुंबई के सेवरी और नवी मुंबई छोर पर राष्ट्रीय राजमार्ग 4 बी पर शिवाजी नगरजस्सी और चिरले में इंटरचेंज की सुविधा होगी. इस आशय की जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दी.महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को इसकी जानकारी दी. इस परियोजना में लगभग 22 किमी लंबा 6-स्तरीय पुल शामिल है जो मुंबई शहर में शिवडी और मुख्य भूमि पर न्हावा को जोड़ता है.इस लिंक में मुंबई के सेवरी और नवी मुंबई छोर पर राष्ट्रीय राजमार्ग 4बी पर शिवाजी नगर, जस्सी और चिरले में इंटरचेंज की सुविधा होगी.परियोजना से प्रभावित व्यक्तियों का पुनर्वास किया गया है और जिन मछुआरों की आजीविका परियोजना के कार्यान्वयन से प्रभावित हुई है, उन्हें सरकारी नीतियों के अनुसार मुआवजा दिया गया है.

शिवपुराण कथा अमरावती में मिली थी धमकी

पंढरपुर की शिवमहापुराण कथा में कथा प्रवक्ता पं.प्रदीप मिश्रा का रहस्योद्घाटन

विदर्भ स्वाभिमान
विशेष संस्कार पहल

पंढरपुर कथा में उमड़े भक्त

अमरावती शहर पांच दिवसीय शिवमहापुराण कथा ने इतिहास दर्ज कर लिया. साक्षात अंबानगरी शिवनगरी बन गई थी. अब करोड़ों भक्तों के आस्थास्थल पंढरपुर के विट्ठल रूक्मिणी मंदिर में उनकी शिव महापुराण कथा चल रही है. प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर से लोगों का आगमन यहां हुआ.लाखों भक्त तो पूरे पांच दिन रात्रि विश्राम भी वहीं किया.भोलेनाथ के आशिर्वाद को ही कथा की सफलता बताने वाले पंडित प्रदीप मिश्रा स्पष्ट करते हैं कि वे कथानहीं करते हैं, साक्षात भोलेनाथ कथा कर रहे हैं और श्रोता भी भोलेनाथ के रूप में वे मानते हैं.

अमरावती-अमरावती शहर के हनुमानगढ़ी क्षेत्र ने जिले में नया धार्मिक इतिहास रच दिया, वहीं यह कथा कई मामलों में अलग रही. पंढरपुर में जारी श्री शिव महापुराण कथा में कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि अमरावती की कथा नहीं करने के लिए उन्हें धमकी भरा पत्र भी मिला था. यहां उन्होंने इसका खुलासा नहीं किया. पंढरपुर पवित्र क्षेत्र में जारी शिवकथा के दौरान उन्हों ने स्पष्ट किया कि श्रद्धा और अंधश्रद्धा अलग-अलग विषय हैं. अमरावती में महिला द्वारा लिखे गए पत्र को ही उन्होंने पढ़ा था. जब स्वयं महिला ने इस बात को स्वीकार किया है तो यह विषय खत्म हो जाना चाहिए. उनके मुताबिक जिनका भाव होता है, उन्हें देव का दर्शन हो सकता है. उन्होंने कभी भी अंधश्रद्धा बढ़ावा देने का काम नहीं किया. बल्कि वे हर मंच से मानवता की सेवा, सनातन धर्म की सेवा और मानवता के साथ ही इन्सानियत को बढ़ावा देने के बारे में बोलते हैं. सनातन धर्म को ही सदैव घेरने को चिंतनीय बताते हुए कहा कि आखिर हमेशा सबसे मजबूत और वास्तविकताओं पर आधारित रहने वाले इसी धर्म को क्यों कर निशाना बनाया जाता है. उनके मुताबिक व्यासपीठ से कभी भी किसी भी धर्म के बारे में नहीं बोलते हैं. उन्होंने लोगों से धर्म को अपने विकास और मानसिक शांति तथा सदविचारों को प्रोत्साहित करने वाला माध्यम बनाने का आग्रह किया. पंढरपुर की कथा में भी लाखों भक्त उमड़े हैं.

बहुआयामी,बहुगुणी व्यक्तित्व हैं

पेज 2 से जारी- एजुकेशन एक्सपर्ट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया. उन्होंने बिम्ट्स कॉलेज बुरहानपुर में प्रशासनिक निदेशक के पद को भी सुशोभित किया. शिक्षा के क्षेत्र में अपने काम का दायरा बढ़ाते हुए उन्होंने पोदार इंटरनेशनल स्कूल अमरावती, अमरावती, महाराष्ट्र में प्रिंसिपल का पद संभाला.अमरावती के उन शहरों में जहां पोदार पाठ्यक्रम की गंध नहीं है, वहां पदार्पण करते हुए उनके 12 वर्षों के कार्यकाल के दौरान पोदार इंटरनेशनल स्कूल को वास्तव में उनके नेतृत्व में न केवल अमरावती शहर में बल्कि विदर्भ में भी सबसे बड़ा स्कूल बनने का गौरव प्राप्त हुआ. शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन लाने के लिए छात्रों के समग्र विकास के लक्ष्य को लेकर हमेशा सक्रिय रहने की उनकी जीवनशैली से प्रभावित होकर उन्हें विभिन्न सरकारी, अर्ध-सरकारी और निजी संस्थानों द्वारा शिक्षा क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों और उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उन्हें अभी तक कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है. उन्हें प्राप्त पुरस्कार और साथ ही संस्थान वर्ष का जिक्र किया गया है.

राज्यपाल और मुख्यमंत्री (मध्य प्रदेश) 2001-2002,डॉ. अम्बेडकर सम्मान पुरस्कार 2002

समाज सौरभ पुरस्कार 2003,डॉ. राधाकृष्णन पुरस्कार 2007.सर्वश्रेष्ठ प्रिंसिपल महाराष्ट्र और गोवा ज़ोन 2012-2013.मुख्यमंत्री एवं स्कूल शिक्षा कार्यालय महाराष्ट्र 2013

महात्मा फुले शिक्षाविद् पुरस्कार 2013,ग्लोरी ऑफ इंडिया अवार्ड 2014

भारत का सर्वश्रेष्ठ नागरिक पुरस्कार 2014,समाज भूषण पुरस्कार 2014

शिक्षा भूषण पुरस्कार 2015

उत्कृष्टता प्रमाणपत्र 2017

वित्तीय जादूगर पुरस्कार 2017

प्रोग्रेसिव प्रिंसिपल ऑफ इंडिया अवार्ड 2017,2017 में उप शिक्षा निदेशक अमरावती द्वारा सम्मानित किया गया,ज्ञानज्योति सावित्रीबाई फुले शिक्षा पुरस्कार 2018,पर्यावरण शिक्षा में उत्कृष्टता पुरस्कार 2018

विद्या भूषण पुरस्कार 2021,टेक्नो एक्सीलेंस 2021,मोस्ट सोशली एक्टिव प्रिंसिपल अवार्ड 2021,ज्ञानगुरु - द करियर मोल्डर अवार्ड 2022बेस्ट प्रिंसिपल महाराष्ट्र और गोवा जोन 2023 के साथ दर्जनों अन्य पुरस्कार भी उनके खाते में हैं. इतनी सम्पन्नता में भी उनकी विनम्रता किसी को भी प्रभावित करे बगैर नहीं रहती है. हमारी शुभकामनाएं.

बेहतरीन वक्ता के साथ शिक्षा में पोदार इंटरनेशनल को अपनी कल्पनाशीलता के कारण चोटियों पर पहुंचाने वाले व्यक्ति के साथ ही साहित्यप्रेमी भी हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

पेपर बांटने/चिल्लर काम के लिए लड़के चाहिए

अमरावती जिले के साथ संभाग में लोकप्रिय साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान शहर में बांटने और चिल्लर काम के लिए लड़का चाहिए. मेहनती और सीखने की चाहत रखने वाले युवक प्रत्यक्ष मिलें या संपर्क करें. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से कमीशन के आधार पर कमाई भी कर सकते हैं.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती

मो. 9423426199/8855019189

शहर में ठंडी दिखाने लगी है अब जोर

अमरावती - पिछले कुछ दिनों से ठंड की तीव्रता असर दिखाने लगी है. चिखलदरा का तापमान जहां उतरकर 7 डिग्री सेल्सियस तक उतर गया है. तापमान में कमी के कारण कारण ग्रामीण क्षेत्रों में जहां शीतलहर चल रही है, वहीं शहर में कालोनियों में भी अलाव लगाकर राहत प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं.ग्रामीण क्षेत्रों में जिस तरह से ठंड बढ़ रही है, उससे लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है. ठंड की तीव्रता आगामी दिनों में और अधिक बढ़ने की संभावना जताई जा रही है. इस पर ध्यान देने तथा सतर्कता बरतना जरूरी है. चिखलदरा में तापमान तेजी से घट रहा है. इससे पर्यटकों की भीड़ बढ़ी है.

सुमिरन कीर्तन में झूम उठे हजारों भक्त,

दीवाने बाबा के परिवार का सराहनीय आयोजन,सतीधाम मंदिर में रात भर झूमते रहे बाबा के दीवाने, यादगार रहा

विदर्भ स्वाभिमान, 3 जनवरी

अमरावती- कहते हैंकि भक्ति की शक्ति के साथ ही इसका आकर्षण व्यक्ति को मानसिक रूप से प्रसन्न कर देता है. 31 दिसंबर को सुख्यात सतीधाम मंदिर में आयोजित भजनों और सुमिरन के कार्यक्रम ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. हजारों भक्त रातभर बाबा के भजनों में आनंदित होकर झूमते रहे. मंदिर भक्तों से खचाखच भर गया था. जय जोशी द्वारा गणेश वंदना से कार्यक्रम कीशुरूवात की गई, इसके बाद एक से बढ़कर एक भजनों ने सभी को प्रभावित किया. पूर्व साल की विदाई और नई साल की पहली किरण ही यादगार रही और सभी झूमते रहे.

दीवाने बाबा के भक्तों ने नया साल बाबा संग मनाया. भक्तों ने घोषणा कर रखी है'ना डिस्को जाएंगे, ना होटल जाएंगे, नया साल बाबा के चरणों में मनाएंगे' का संदेश दिया.अंग्रेजी नव वर्ष का अनूठा स्वागत शहर में पहली बार देखने को मिली. रविवार को रात 8 बजे से रॉयली प्लॉट स्थित सतीधाम मंदिर में सुमिरन कीर्तन द्वितीय महोत्सव का आयोजन किया गया था. सर्वप्रथम रणथंबोर के गणेशजी, झुंझनू वाली रानीसती दादी, खाटू के श्याम बाबा, रामदेवरा के रामदेवबाबा, सालासर के हनुमानजी व अमरावती की अंबामां,एकवीरा देवी देवताओं को सुमिरन कर कीर्तन की शुरुआत की गई ?.जिसमें जम्मा गायक जय जोशी ने गणेश वंदना कर म्हारा कीर्तन में रस बरसाओ आओ जी गजानन आओ.... गणेश जी का आवाहन किया गया. पल में भर्ती झोली खाली मारी रानी सती दादी जी.... श्याम जगत के सुमित (बावरा)ने मरुधर में जोत जागी गयो.... श्याम बाबा की आराधना कर जय श्री श्याम बाबा खाटू वाले बाबा जय श्री श्याम... से पूर्ण परिसर गूंज उठा . तत्पश्चात बीकानेर के सुप्रसिद्ध भजन गायक अजय सिंह मारो हेलो सुनो रामापीर....थारे भरोसे मेहा बाबा जी.... मेहंदी रची थारे हाथों में....ए मेरे दोस्त लौट के आजा....छाई काली घटाएं तो क्या, उसकी छत्री के नीचे हू में,.....तू कीपा कर बाबा कीर्तन कराऊंगा,कीर्तन करऊ ऐसा इतिहास रचा दूंगा....चौसठ योगिनी.....खम्मा-खम्मा हो रामा रूनिचो रा धनिया....चलते चलते मेरे ये गीत.....एक से बढ़कर एक भजन सुनाणाकर भक्ति में झमाया. रात 12 बजे भव्य आतिशबाजी की गई जय बाबा री जय श्री श्याम जय दादी की जय कारे लगाए गए. ना होटल जाएंगे ना डिस्को जाएंगे नया साल बाबा तेरे चरणों में मनाएंगे भजन पर भक्तगण थिरकते हुए नजर आए. देर रात चले इस कार्यक्रम में भजनों की धुन पर सती धाम मंदिर में झूमते रहे भक्तगण. जयपुर की म्यूजिकल टीम ने भजन गायकों का साथ दिया. अजय सिंह जी ने कहा उनके जीवन काल में पहली बार ऐसा भी नया साल मनाया जाता है देख कर दीवाने बाबा के सदस्यों की सहारण की. महंत श्री नरेशबाबा पंढरी धाम से विशेष उपस्थिति थे . इस सुमिरन कीर्तन के लिए सभी भजन प्रेमीं पूरे सालभर से इंतजार कर रहे थे . सोशल मीडिया पर इस कार्यक्रम लाइव चल रहा था. श्याम बाबा का भव्य दिव्य दरबार फूलों से सजाया गया था मुंबई से बाबा के लिए विशेष श्रृंगार सामग्री लाई गई थी.अत्तर की महक से पूर्ण परिसर महक रहा था, भक्तों पर पुष्प की वर्षा की गई, अखंड ज्योत मैं आहुति डालने के लिए लंबी कतारे देखी गई. बाबा को छप्पन भोग व चूरमे के 1551 लड्डू का भोग अर्पित कर भक्तों को वितरण किया गया. पूर्ण परिसर गुब्बारो से , रंगी बिरंगी लाइटिंग डेकोरेशन से सजाया गया था. आयोजक द्वारा भक्तों के लिए अलपोहार व मसाला दूध की व्यवस्था की गई थी.दीवाने बाबा के सदस्य पीले रंग के कर्ते में नजर आए व महिला पचरंगी साड़ी में नजर आई. दीवाने बाबा के परिवार के संजय झनझनवाला ,जय जोशी, लकी पांडे, हस्तीमल टेलर, विजय जोशी, विश्वनाथ पांडे,राजेश्वर पांडे ,अशीष लड्ढा, अक्षय व्यास, गोपाल भूतड़ा, सागर गुप्ता, कार्तिक व्यास, सुमित बावरा, आनंद सिंघानिया, मुकेश साबू, दीपक राठी ,प्रणय साहू, श्याम (सम्राट),अनिकेत श्रीवास, राजेश चांडक, जीतू टेलर, अंकित राठी , श्रीराम अटल, गणेश व्यास, शुभम पांडे महिलाओं में नीलू झनझनवाला, योगिता बडगूजर, वर्षा जोशी, प्राची जोशी, अक्षरा व्यास, श्रुति गप्ता, दीपा लड्ढा, दीपिका साबू, सौनाली भूतड़ा, गायत्री राठी, आकांक्षा श्रीवास, शिखा अटल, दीपाली टेलर , शीतल पांडे ,अन्नपूर्णा व्यास और उपस्थित भक्ति गन राजेश व्यास , ओमप्रकाश जोशी , राकेश अहरवाल, संजय अग्रवाल, विजय केडिया, मनीष केडिया , विजय कंसल , राजू नागलिया , कैलाश अग्रवाल , केदार अग्रवाल, पावन भूत , मनीष जालान, विजय धमोरीवाल, पंकज चौधरी , अजय चौधरी, प्रशांत देवीकर, मनीष अग्रवाल, मनीष शर्मा, जगल दवे, श्लोक गप्ता,दिनेश गांधीं, सतीश श्रीवास ,संतोष पवार , दीपक चौधरी, आदि भक्तगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे.सभी के लिए यह दिन भक्ति के लिए यादगार साबित हुआ.

सभी भारतीयों के जीवन में उत्साह,प्रगतिवाला हो नया साल

पूर्व उपमहापौर प्रमोद पांडे, अंजली पांडे हैं समाजसेवी नेता

अमरावती- नया साल सभी के जीवन में खुशियों वाला हो और सभी की सभी चाहतों को पूरा करे और यह साल सुख,समृद्धि के साथ ही स्वास्थ्य के लिहाज से भी यादगार साबित हो, इस आशय की शुभकामनाएं पूर्व उपमहापौर प्रमोद पांडे और पूर्व पार्षद अंजली पांडे ने दिया है. नए साल की सभी कोशुभकामनाएं देते हुए दोनों ने कहा कि साल बदलता है लेकिन किए गए नेक काम हमेशा याद किए जाते हैं. इसलिए मानवता की सेवा को बढ़ावा देने का काम सदैव किया जाना चाहिए. दोनों नेता से अधिक समाजसेवी और जागरूक नेतृत्व के रूप में सेवारत रहते हैं. प्रमोद पांडे द्वारा विजन के साथ कुछ न कुछ उपक्रम सालभर चलते हैं. प्रभाग के विकास के साथ ही लोगों की जहां मदद में तत्पर रहते हैं, वहीं दूसरी ओर दोनों को अपार प्रेम प्रभाग ही नहीं तो शहरवासियों का भी मिलता है. उनके मुताबिक भारतीय होने पर सभी को गर्व करना चाहिए. हर व्यक्ति के लिए राष्ट्र पहले और बाकी सब बातें बाद में होनी चाहिए.

शहर की राजनीति में जनता का प्यार पाने वाले चुनिंदा नेता ही हैं. जिनके नसीब में लोगों का प्यार है. इन नेताओं के जनसेवी तथा समर्पित

विदर्भ स्वाभिमान

कामों को देखकर ही लोगों का प्यार मिला है. ऐसे ही नेताओं में युवा नेता और पूर्व उपमहापौर प्रमोद पांडे. ज़नसेवा में जहां पांडे दम्पती लगातार लगा रहता है, वहीं दूसरी ओर लोगों की समस्याएं, गंदगी से जुड़ी समस्या और विभिन्न सरकारी विभागों से जुड़ी समस्या के निराकरण का प्रयास रहता है. यह पहला ऐसा दंपति है, जो पद पर नहीं रहने के बाद भी लोगों का अपार प्रेम पा रहा है. लोगों के मुताबिक काम में समर्पण और जनता के लिए सदैव प्रयासरत रहने वाली मानसिकता ने दोनों को यह लोकप्रियता प्रदान की है. यही कारण है कि वे आज वे पद पर नहीं रहने के बाद भी प्रभागवासियों के दिलों में रहते हैं. उनके मुताबिक लोगों का प्यार ही उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है.

इसने साथ ही कई बेहतरीन संदेश भी दिया है. बच्चों में बचपन से आदर्श संस्कार, माता-पिता का सम्मान और सामाजिक कामों में यथासंभव योगदान देने की सलाह वे देते हैं. उनके मुताबिक अच्छे कर्म कभी बेकार नहीं जाते हैं. सुख-दुख से ऊपर उठने वाला व्यक्ति ही जीवन में आगे बढ़ता है. लेकिन उम्मीद पर ही दुनिया कायम रहती है. राज्य में तथा अमरावती में फिर से कोरोना की जांच शुरू हो गई है. चिंता वाली बात नहीं है लेकिन इसके साथ ही पूर्व के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए सतर्कता जरूरी रहने की बात कही. उनके मुताबिक हमे सतर्कता बरतनी चाहिए. मौसम में बदलाव को ध्यान में रखते हुए स्वयं का ध्यान देने का आग्रह किया.

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बन दें सहयोग

विदर्भ स्वाभिमान सकारात्मक सोच, मानवता, संयुक्त परिवार, माता-पिता की सेवा और संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

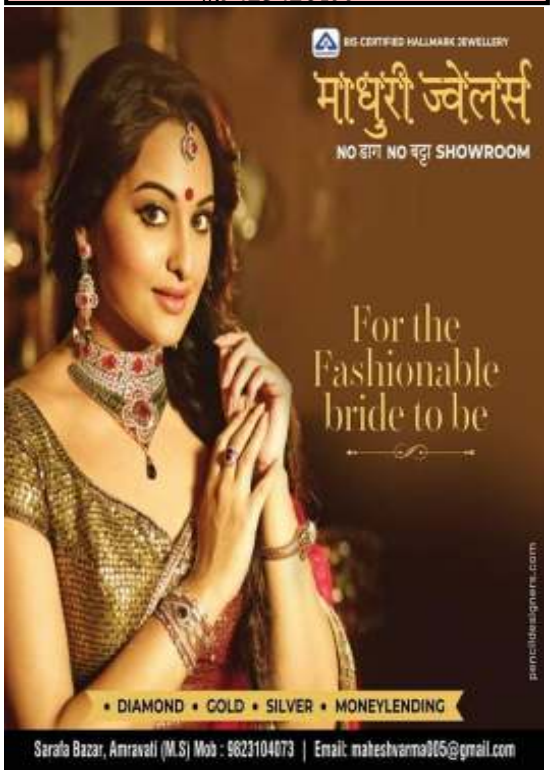

सुंदर अयोध्यानगरी

अयोध्या में श्रीरामलला मूर्ति प्राणप्रतिष्ठा के साथ ही सरकार द्वारा 84 कोस में शराब क़ी दुकानों को हटाया जा रहा है. इतना ही नहीं तो हनुमान गढ़ी क्षेत्र में इस आकर्षक नजारे के साथ सेल्फी लेने के लिए अभी से लोग उमड़ रहे हैं.

फोटो- सर्वेशकुमार दुबे, धौरहरा

खुशियां,तरक्की दुगुनी हो, मानवता धर्म बढ़ता रहे

नए साल 2024 पर समाजसेवी रामेश्वर उपाध्याय की कामना

अमरावती- जीवन में जितना संभव हो सके, मानवता की सेवा करते हुए हर दिन को खुशियों से जीने का प्रयास करना चाहिए. हर दिन को आखिरी और हर खुशी में सभी को समाहित करने का भाव जिन लोगों का रहता है, प्रभु उनकी खुशियों को बढ़ाने का काम करते हैं. नए साल का स्वागत करने के साथ ही नया साल सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, दुगुनी तरक्की के साथ सभी के जीवन को खुशियों से भर दे, यही कामना प्रभु चरणों में करते हुए समाजसेवी रामेश्वर उपाध्याय ने सभी को नए साल की शुभकामनाएं दी.

शहर के सुख्यात व्यवसायी उपाध्याय ड्रायफ्रूट के संचालक एवं सुख्यात समाजसेवी रामेश्वर उपाध्याय के मुताब्कि सेवा से बड़ा परमार्थ का काम नहीं हो सकता है. इसलिए हर व्यक्ति को अपने स्तर पर सेवा करते हुए जितना संभव हो सके, सामाजिक कामों में भी योगदान देना चाहिए. रामेश्वर उपाध्याय व्यवसायके साथ ही सामाजिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. आदर्श आदर्श विचार और संस्कार जीवन में कभी पीछे नहीं लेकर जाते हैं. पहले और आज के दौर में जमीन आसमान का अंतर रहने की बात वे स्वीकार करते हैं. उनके मुताबिक पहले लोगों के पास पैसे कम थे लेकिन आत्मीयता अधिक थी. लोगों के चेहरे एक थे. लेकिन आज स्थिति अलग रहने की बात स्वीकार करते हुए कहा कि लेकिन यह भी संतोष की बात है कि आज भी समाज में अच्छे, समझदार तथा समाज के लिए कुछ करने की मानसिकता वाले लोग हैं. ब्राह्मण समाज के सामाजिक कामों में भी

सदैव अग्रणी रहने वाले रामेश्वर उपाध्याय मिलनसार स्वभाव के जहां धनी है, वहीं दूसरी ओर गरीबों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. उनके मुताबिक प्रेम, आत्मीयता ऐसे इत्र हैं, जिनकी खुशबू लगातार बढ़ती रहती है. इतना ही नहीं तो जब हम किसी को प्रेम देते हैं तो उसका उत्तर हमें उसी रूप में मिलता है. उपाध्याय घीवर मिठाईयों के प्रतिष्ठान को अपडेट करने के साथ ही दुकान को विस्तारित करने वाले रामेश्वर उपाध्याय के मुताबिक समय के साथ चलने वाला ही जीवन में आगे बढ़ सकता है. उनके मुताबिक परिवार के साथ गके साथ ही ग्राहकों का विश्वास कामयाबी पर पहुंचाया है.

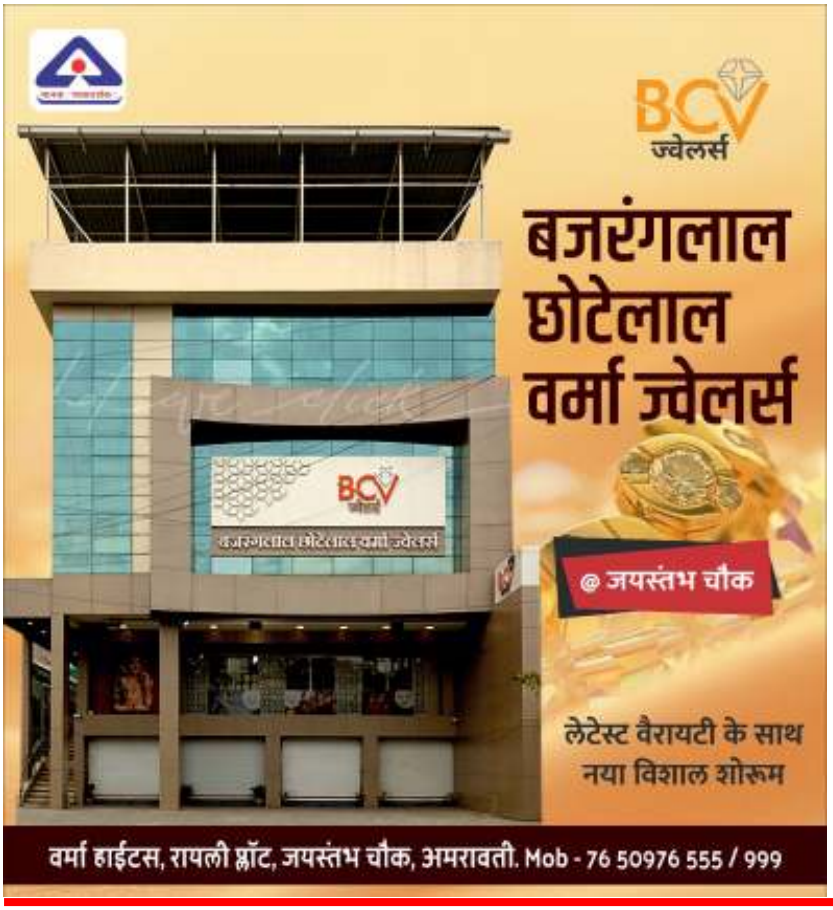

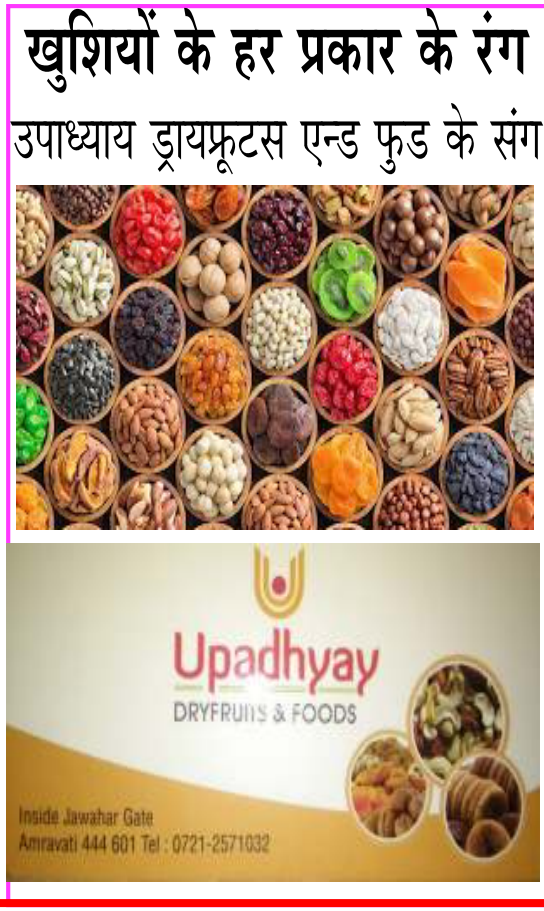

हर घर में हो यह किताब

माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए. जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, भगवान वहीं पर बसते हैं.आजमाकर देखें.

मो. 9423426199/8855019189

कांग्रेस लोकसभा की 335 सीटों पर ठोक सकती दावा

आज होगा मंथन, बुलाए गए सभी राज्यों से पदाधिकारी

नई दिल्ली- विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के घटकदलों के बीच सीटों पर तालमेल के पहले ही की जाने वाले परोक्ष दावेदारी से सतर्क कांग्रेस पार्टी ने फिलहाल सभी राज्यों को लेकर अपनी रणनीति तैयार कर ली है.गुरुवार को सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष के साथ होने वाले महामंथन में अंतिम रूप दिया जा सकता है. इसके तहत पार्टी करीब 335 सीटों को लेकर अपनी दावेदारी ठोक सकती है. यह बात अलग है कि पार्टी ने इस रणनीति के तहत राजस्थान,मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में जिस तरह से अकेले ही सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बनाई है, उनमें गठबंधन के घटकदल अड़ंगा लगा सकते है. क्योंकि राजस्थान में आरएलडी, मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी व गुजरात में आम आदमी पार्टी ने कई सीटों को लेकर परोक्ष रूप से लगातार अपनी दावेदारी पेश कर रहे है.वहीं जेडीयू ने बिहार की दो सीटों के साथ ही अरुणाचल प्रदेश की एक सीट के लिए अपना प्रत्याशी भी घोषित कर दिया है. जबकि आम आदमी पार्टी गुजरात और हरियाणा में अपने कुछ उम्मीदवार उतारनी चाहती है. ऐसे में कांग्रेस को 335 सीटों के दावे को पुष्ट करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ सकती है. आइएनडीआइए में सीटों के बंटवारे को लेकर जल्द ही बैठक होने वाली है.

हो सकती है एक वर्चुअल बैठक-एक अटकल यह है कि गुरुवार को ही एक वर्चुअल बैठक हो सकती है. जिसमें सभी घटकदल अपनी दावेदारी वाली सीटों से जुड़ी जानकारी एक- दूसरे के साथ साझा कर सकते है. इसके बाद यदि घटकदलों के बीच दावेदारी वाली सीटों को लेकर किसी तरह का असहमति होती है, तो ऐसी सीटों का फैसला पिछले चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन और जीतने की संभावना के आधार पर लिया जा सकता है.

मिलकर लड़ेगी चुनाव- पार्टी से जुड़े सूत्रों की मानें तो राज्यों के साथ अब तक चर्चा में जो रणनीति बनाई गई है, उसके तहत मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक,असम, हरियाणा, उत्तराखंड और गोवा सहित नार्थ-ईस्ट की सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की रूपरेखा बनाई है. जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, पंजाब, दिल्ली और महाराष्ट्र में घटकदलों के साथ ही मिलकर चुनाव लड़ेगी. इन नौ राज्यों में भी पार्टी ने करीब डेढ़ सीटों को लेकर दावेदारी पेश करेगी.सीटों पर तालमेल के साथ ही कांग्रेस पार्टी ने घोषणा पत्र को लेकर भी तैयारी शुरू कर दी है. इसका जिम्मा पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम को सौंपा गया है. जिन्होंने गुरुवार को इसे लेकर एक अहम बैठक बुलाई है. माना जा रहा है कि पार्टी इस दौरान पुरानी पेंशन योजना की बहाली सहित किसानों, महिलाओं से जुड़े उन सभी मुद्दों को इसमें प्रमुखता से शामिल कर सकती है, जिसे लेकर वह लंबे समय से मुखर है. चुनाव के पहले ही विपक्षी गठबंधन खटाई में पड़ने की आशंका पैदा हो गई है.

गुरूवार 2 नवंबर से 9 नवंबर 2023

मेष

इस राशि के लोगों के लिए नया साल आशा आकांक्षाओं को प्रफुल्लीत करने वाला साबित होगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ

नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

मिथुन

अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क

आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ

नए साल में प्रगति का योग है. अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन

दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

जितेंद्र गवळी
Mob: 8857065788

इलेक्ट्रीक

प्लम्बींग

कलरींग

संपुर्ण कामे योग्य
दरात केल्या जाईल.

पत्ता: बालाजी नगर, पुष्पक कॉलनी,
ठाकुर यांच्या दवाखाण्या जवळ, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

भाग्य से ही मिलता है इस तरह का टीम लीडर

प्राचार्य सुधीर महाजन : सभी को समझने और समझाने वाले समझदार व्यक्तित्व हैं, आसमानी व्यक्तित्व

श्वेता दुबे, 3 जनवरी

अमरावती - जीवन में कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें अच्छा परिवार, अच्छा मित्र परिवार और अच्छा टीम लीडर मिलता है. व्यक्ति घर से भी अधिक समय अपने कामकाज के स्थान पर देता है. वहां बेहतरीन माहौल रहने से उसका व्यक्तित्व जहां निखरता है, वहीं उस व्यक्ति की समझदारी, सभी को साथ लेकर काम करने की खूबी के साथ ही सभी के सुख और दुःख मानने जैसी मानसिकता निश्चित ही सराहनीय होती है. पोदार इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य सुधीर महाजन ऐसे ही आदर्श टीम लीडर कहे जा सकते हैं. किसी भी टीम लीडर के लिए इसका बड़ा भाग्य और क्या हो सकता है कि पूरी टीम का हर सदस्य उन्हें अपना प्रेरणास्त्रोत माने. इतना ही नहीं तो स्वयं की ड्यूटी को घंटों में नहीं गिने. प्राचार्य सुधीर महाजन आचार-विचार और संस्कारों को ही बढ़ावा देने वाले जितने आदर्श व्यक्ति हैं, उतने ही आदर्श प्राचार्य, टीम लीडर, बच्चों का जीवन संवारने वाले और उन्हें आदर्श नागरिक बनाने में योगदान देने वाले शिक्षक हैं. व्यक्तित्व विकास के उनके टिप्स राष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय माने जाते हैं. बहुगुणी और बहुआयामी व्यक्तित्व के साथ ही पितृवत टीम लीडर के रूप में उनकी पहचान सभी स्टॉफ के लिए गौरवान्वित करने वाली कहना गलत नहीं होगा. आदर्श विचारों के साथ ही सभी को साथ लेकर काम करना और सभी को संभालना कोई मामूली काम नहीं है.

लेकिन वे कहते हैं कि अगर कोई व्यक्ति आपको अच्छा मानता है तो इसका दूसरा मतलब वह व्यक्ति भी स्वयं अच्छा ही होता है. पोदार इंटरनेशनल आज छात्रों के शैक्षिक के साथ ही सर्वांगीण विकास का बेहतरीन शिक्षा केन्द्र है. इस विद्यालय के बच्चों की हर क्षेत्र में कामयाबी, शिक्षकों के साथ ही वाहन चालक से लेकर कर्मचारियों तक के मन में जिस तरह का पितृवत सम्मान प्राचार्य सुधीर महाजन सर को लेकर है, उसका अनुभव विदर्भ स्वाभिमान के संपादक ने स्वयं कई मौकों पर किया है. स्वयं कर्मठता के साथ ही काम के प्रति पूरी तरह से जहां वे समर्पित रहते हैं, वहीं पूरी टीम के हर सुख-दुख को अपना दुःख मानते हुए साथ पूरी ताकत से खड़े रहते हैं. वे कहते हैं ज़ीवन में जितना संभव हो सके, अच्छी सोच के साथ ही सदैव प्रयास करें कि हम किसी को सुख नहीं दे सकते हैं तो हमें दुख देने का अधिकार बिल्कुल नहीं है. जो संस्कार हमारे माता-पिता ने दिया है, इसका सम्मान करने के साथ ही उसे सदैव गोरवान्वित करने का प्रयास करना चाहिए.कई दर्जन पुरस्कार, कई राष्ट्रीय सेमिनारों में सहभाग लिया है. शिक्षा के साथ ही मोटिवेशनल, व्यक्तित्व विकास से जुड़े उनके लेख प्रेरणा देने का काम करते हैं. वे कहते हैं कि इन्सान के रूप में प्रभु ने जो जीवन दिया है, उसका उपयोग राष्ट्र के काम के लिए करने का प्रयास सभी को करना चाहिए. प्रभु उन्हें स्वस्थ रखें, मस्त रहें, संतश्री गजानन महाराज के चरणों में हमारी यही कामना.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

श्री बालाजी कॅटरर्स

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७

अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

मत बुरा कर्म कर बंदे, वर्ना पछताएगा

प्रभु ने हमें जो आदर्श जीवन दिया है, यह केवल हमारे लिए ही नही है. बल्कि इस जीवन का हम किस तरह स्वयं के कल्याण के साथ ही मानव कल्याण के लिए यथासंभव उपयोग करते हैं. ज़ो जीवन में केवल अपने लिए ही जीते हैं, उनमें और पशुओं में कोई अंतर नही होता है. लेकिन जो गरीबों, जरूरतमंदों को अपनी क्षमता के मुताबिक मदद देने का काम करते हैं, प्रभु सदैव उनकी झोली खुशियों से भर देता है. इसलिए भाव के साथ देव का विश्वास रखते हुए सदैव अच्छा करने का प्रयास करें. किसी के साथ छल करने के बाद अपने साथ वैसा ही छल होगा, यह निश्चित मानकर चलें. बुरा करनेवाले को उसका दंड भुगतना ही पड़ता है.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 30 नवंबर से 6 दिसंबर 2023 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 23 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत है. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

नए साल की सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं. वैसे यह अपना नया साल नहीं है, लेकिन बावजूद इसके भारत की महान विश्वबंधुत्व की विरासत, आदर्श संस्कारों के चलते समस्त विश्व को नए साल की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. सभी के लिए यह साल उपलब्धियों से भरा रहे, खुशहाली वाला रहे, यही कामना.

सुभाषचंद्र जे. दुबे, संपादक-विदर्भ स्वाभिमान, 9423426199/8855019189

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com